NEWSLETTER

शनिवार, 29 अप्रैल 2023 | वॉल्यूम - 43

अमेरिकी प्रतिबंधों से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ वियतनाम परिधान उद्योग

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 59945
SILVER : 75500
CRUD OIL : 6295

युसुफ मखानी,
(कॉटन जिनर,विदर्भ, महाराष्ट्र)

पिछले साल किसानों को कपास के भाव **12** से **13** हजार रूपए प्रति क्विंटल मिले थे जबकि, इस साल कपास की कीमत **8** हजार रूपए प्रति क्विंटल के आस-पास ही रही है। इस सीजन भी किसानों को ज्यादा भाव मिलने की पूरी उम्मीद थी जिसके चलते उन्होंने कपास का भंडारण करना शुरू किया नतीजा, शुरू से ही मंडियों में आवक धीमी रही। इसकी वजह से जिनर्स डिस्पेरिटी में काम करने को मजबूर रहे। अब जब मंडियों में आवक बढ़ रही है तो डिस्पेरिटी भी धीरे-धीरे खत्म होने लगी है। हालांकि व्यापारियों को पिछले चार महीने के नुकसान से बाहर आने में समय लगेगा लेकिन यदि आवक में सुधार हुआ और मांग भी बढ़ी तो व्यापार को गति मिलना तय है। यह बात कही विदर्भ महाराष्ट्र के जाने-माने जिनर युसुफ मखानी ने।

आवक बढ़ने से धीरे-धीरे खत्म हो रही है डिस्पेरिटी

पिछले 12 सालों से कॉटन उद्योग से जुड़े युसुफ वर्तमान में विदर्भ में तीन जिनिंग यूनिट चला रहे है। उनके इस कारोबार में भाई आमिर मखानी और बेटे अलताफ मखानी भी उनके साथ है।

महाराष्ट्र में बेहतर है भविष्य

महाराष्ट्र में कॉटन कारोबार को लेकर उनका मानना है कि यहां कॉटन का भविष्य बहुत बेहतर है। वे बताते है कि महाराष्ट्र में विशेषकर विदर्भ में किसानों के पास ज्यादा विकल्प नहीं है वे या तो कपास पर निर्भर है या सोयाबीन पर। पिछले 4 सालों से नागपुर जिले में सोयाबीन की फसल बुरी तरह फेल हुई है। इसलिए कहीं ना कहीं किसानों की रूचि कपास में बढ़ी है। पिछले साल भी बेमौसम बारिश की वजह से यहां की पैदावार पर असर हुआ अन्यथा जिस तरह से सोइंग हुई थी यहां पैदावार सामान्य से 25 से 30 प्रतिशत ज्यादा ही होती। और यही उम्मीद आने वाले सीजन से भी है

10% कपास कैरी फॉरवर्ड होने की संभावना

सामान्य स्थिति में अब तक कॉटन का सीजन खत्म हो जाता है लेकिन इस बार किसानों ने जिस तरह पहले कपास का भंडारण किया और अब कपास मंडी में लाना शुरू किया है उसे देखकर लग रहा है कि सीजन जून माह तक चलेगा। हमारे एरिया में अभी भी किसानों के पास 40-50 प्रतिशत तक माल रखा हुआ है, दूसरे प्रदेशों में भी किसानों ने भंडारण किया है। आवक में तेजी जरूर हुई है लेकिन कुछ सक्षम बड़े किसान अभी भी माल बेचने को तैयार नहीं है। यदि यही स्थिति रही तो 10 प्रतिशत तक कपास अलगे साल के लिए कैरी फॉरवर्ड होने की संभावना है।

महाराष्ट्र कृषि विभाग की अपील: किसान ना करें एचटीबीटी कपास के बीजों की खरीद और रोपण

एचटीबीटी बीज बेचने वालों पर कृषि विभाग और पुलिस विभाग की कड़ी नजर है। बोगस कंपनियों, बिना लाइसेंस वाले अनाधिकृत एचटीबीटी कपास के बीजों की गुप्त रूप से बाजार में आपूर्ति किए जाने की संभावना है। कुछ लोग ऐसे अनधिकृत बीजों को हर्बिसाइड बीटी, आर-आरबीटी और बीटीबीजी-3 कहते हैं। इन अवैध बीजों को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। किसान ऐसी अनाधिकृत कंपनियों के बहकावे में न आएं।

यह अपील की है नांदेड़ जिले के अधीक्षक कृषि अधिकारी रवि शंकर चलवाड़े ने । उन्होंने कहा कि एचटीबीटी के बीज न खरीदे जाएं और उन बीजों को खेतों में न लगाया जाए। अवैध बीजों को बेचना, रखना और भंडारण करना अपराध है। इस प्रकार के अनधिकृत बीज कपास के साथ लगाए गए कपास के पौधों के पत्तों के नमूनों के HTBT जीन का तकनीकी परिक्षण किया जाएगा। सैंपल जांच के बाद एचटीबीटी जीन पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। एचटीबीटी बीज बेचने वालों पर कृषि विभाग और पुलिस विभाग की नजर है। इसलिए कृषि विभाग की ओर से इन बीजों को बेचने की कोशिश नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

किसानों और खेतिहर मजदूरों की सेहत को खतरा

अनधिकृत बीजों की बिक्री के लिए किसानों को फर्जी कंपनियों, निजी एजेंटों, निजी व्यक्तियों के लालच और प्रलोभन में नहीं आना चाहिए। ग्लाइफोसेट हर्बिसाइड में कार्सिनोजेनिक गुण होते हैं और इसके अधिक उपयोग से मानव स्वास्थ्य को कैंसर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ग्लाइफोसेट शाकनाशी के अत्यधिक प्रयोग से भूमि की उर्वरता समाप्त हो जाती है तथा भविष्य में उस भूमि में कोई फसल नहीं उगाई जा सकती है। नतीजतन, जमीन बंजर हो जाएगी और सभी किसानों और खेतिहर मजदूरों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाएगा। साथ ही, केंद्र सरकार ने गैर-फसल भूमि और चाय बागानों पर ग्लाइफोसेट हर्बिसाइड के उपयोग की सिफारिश की है।

अधिसूचित बीज अधिकृत डीलर से रसीद के साथ खरीदे जाने चाहिए

ग्लाइफोसेट एक शाकनाशी है जिसका उपयोग अन्य फसलों पर नहीं किया जा सकता है। अस्वीकृत एचटीबीटी कपास की खेती को रोकने के लिए और ग्लाइफोसेट के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए, जिसमें कार्सिनोजेनिक गुण होते हैं, केवल अधिकृत बीटी कपास के बीजों को अधिकृत बीज बिक्री लाइसेंस धारकों से खरीदा जाना चाहिए और एक अधिकृत कंपनी द्वारा उत्पादित किया जाना चाहिए जो गुणवत्ता और गुणवत्ता की गारंटी देता है। धोखाधड़ी से बचने के लिए किसानों को अधिकृत डीलर से रसीद लेकर अधिसूचित बीजों की खरीद करनी चाहिए। जिला कृषि अधीक्षक ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि अगर फर्जी कंपनियां, निजी एजेंट अनाधिकृत बीटी बीज खरीदने के लिए प्रेरित कर रहे हैं तो इसकी जानकारी तालुका कृषि अधिकारी, जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी, जिला परिषद कृषि विभाग को दी जाये।

शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

24 से 29 अप्रैल 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर आधारित खबर-

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेग्मेंट के लिए यह सप्ताह उतार-चढ़ाव वाला रहा। इस बीच कुछ कंपनीज के शेयर्स का मार्केट कैप बढा जबकि कुछ का मार्केट कैप पिछले सप्ताह की तुलना में नीचे गिर गया। आइए जानते है बीएसई के मंच पर प्रमुख कंपनीज की कैसी रही परफॉरमेंस-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल %
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	318.05	324.80	303.6	-0.61%
अरविद लिमिटेड	108.09	110.63	95.75	12.89%
वेलसपन इंडिया	87.64	89.95	82.9	4.82%
नितिन स्पिनर्स	245.25	254.45	234.05	-3.58%
रेमण्ड	1590.8	1755.35	1496.4	6.31%
अक्षिता कॉटन	65.04	83	65.04	-12.70%

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 29.04.2023

ICE COTTON			
MONTH	21.04.23	28.04.23	WEEKLY CHANGE
MAY	78.41	79.03	0.62
JULY	80.15	80.8	0.65
DEC	80.38	81.1	0.72
MCX (BALES) CANDY			
APRIL	62220	61000	-1220
JUNE	64000	62820	-1180
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1571	1542	-29
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAY	2728	2822	94
JUN	2758	2857	99
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.09	81.82	-0.27
PAK (Pakistani Rupee)	283.487	283.696	0.209
CNY (Chinese yuan)	6.89357	6.91336	0.01979
BRAZIL (Real)	5.0494	4.98695	-0.06245
AUSTRALIAN Dollar	1.49419	1.51173	0.01754
MALAYSIAN RINGGITS	4.43794	4.46048	0.02254
COTLOOK "A" INDEX	93.3	93.15	-0.15
BRAZIL COTTON INDEX	82.53	79.51	-3.02
USDA SPOT RATE	77.44	78.09	0.65
MCX SPOT RATE	62360	61780	-580
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	20000	0
GOLD ($)	1993.10	1999.4	6.3
SILVER ($)	22.155	25.33	3.175
CRUDE ($)	77.82	76.63	-1.19

दो सप्ताह की गिरावट के बाद इस सप्ताह कॉटन के भाव ने इंटरनेशल मार्केट में हल्की बढ़त हासिल की। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के मई, जुलाई और दिसंबर माह के लिए कॉटन के भाव 0.62, 0.65 और 0.72 सेंट तक बढ़े है।

हालांकि भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कॉटन के दाम में गिरावट का सिलसिला इस सप्ताह भी जारी रहा। अप्रैल माह के सौदा भाव में 1220 रूपए प्रति कैंडी और जून माह के लिए 1180 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट इस सप्ताह दर्ज की गई हैं।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी इस बार 29 रूपए प्रति 20 किलो तक की गिरावट देखी गई जबकि खल के भाव में मई और जून माह के लिए क्रमशः 94 और 99 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़त हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक ए इंडेक्स पर 0.15 की गिरावट, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 3.02 की गिरावट और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 580 अंक की गिरावट दर्ज की गई है। इसके विपरित यूएसडीए स्पॉट रेट पर 0.65 की बढ़ोतरी देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहअंत में कोई अंतर नहीं देखा गया।

अमेरिकी प्रतिबंधों से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ वियतनाम परिधान उद्योग

चीन के झिंजियांग से आयात पर प्रतिबंध लगाने के कड़े अमेरिकी नियम वियतनाम के परिधान और फुटवियर निर्माताओं पर दबाव बढ़ा रहे हैं, जिससे वैश्विक विनिर्माण केंद्र में मांग में कमी के कारण अक्टूबर से लगभग 90,000 नौकरियां जा चुकी हैं।

परिधान निर्यातकों में, वियतनाम को जबरन श्रम सुरक्षा अधिनियम (यूएफएलपीए) से सबसे बुरी मार का सामना करना पड़ा है, आधिकारिक अमेरिकी आंकड़ों की समीक्षा से पता चला है कि जून से लागू कानून में कंपनियों को यह साबित करने की आवश्यकता है कि वे झिंजियांग के जबरन श्रम से उत्पादित कच्चे माल या घटकों का उपयोग नहीं करते हैं।

कई अमेरिकी आयातक अभी भी आशावादी हैं, लेकिन उनकी आपूर्ति श्रृंखला अभी भी बाधित हो सकती है क्योंकि वियतनाम के परिधान निर्माता अपने इनपुट सामग्री के लगभग आधे हिस्से के लिए चीन पर निर्भर हैं। कुल मिलाकर, सीमा शुल्क ने कई देशों से $ 1 बिलियन से अधिक मूल्य के लगभग 3,600 शिपमेंट की जाँच की, यह पता लगाने के लिए कि वे झिंजियांग में जबरन श्रम से इनपुट के साथ माल नहीं ले गए, यू.एस. सीमा शुल्क डेटा दिखाया।

अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अनुसार, यह अमेरिकी उपभोक्ताओं को प्रभावित करेगा, क्योंकि वियतनाम कपास परिधान का उनका मुख्य स्रोत है। डेलावेयर विश्वविद्यालय में फैशन और परिधान अध्ययन विभाग के निदेशक शेंग लू ने कहा, "वियतनाम की चीन से सूती वस्त्र सामग्री पर भारी निर्भरता झिंजियांग कपास होने का एक महत्वपूर्ण जोखिम है, क्योंकि प्रांत चीन के कपास का 90% से अधिक उत्पादन करता है।"

उन्होंने कहा कि इसकी संभावना नहीं है कि वियतनाम इस निर्भरता को काफी हद तक कम कर सकता है, क्योंकि वहां कई निर्माता चीनी निवेशकों के स्वामित्व में हैं। एक सरकारी अधिकारी ने पुष्टि की कि कुछ वियतनामी आपूर्तिकर्ताओं को नए नियमों का पालन करना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि या तो वे झिंजियांग से कपास का आयात करते हैं या क्योंकि वे यह साबित करने में असमर्थ हैं कि वे ऐसा नहीं करते हैं।

पिछले साल एक सर्वेक्षण में, लगभग 60% अमेरिकी फैशन उद्योग प्रबंधकों ने कहा कि वे मजबूर श्रम कानून की प्रतिक्रिया के रूप में अपनी आपूर्ति के लिए एशिया के बाहर के देशों की खोज कर रहे थे। शेंग लू ने कहा कि अमेरिकी फर्मों के लिए तेजी से वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं को खोजना मुश्किल होगा, इसलिए वियतनामी कार्गो पर अधिक जांच की उम्मीद की जा सकती है। पश्चिमी कंपनियों को "अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मैप करने के लिए और अधिक महत्वपूर्ण प्रयास करना चाहिए, यह पता लगाना चाहिए कि प्रत्येक चरण में उत्पादन कहाँ होता है और पर्याप्त परिश्रम का प्रदर्शन करता है"।

देश के निर्यात में 11.9% की गिरावट और पहली तिमाही में उत्पादन में 2.3% की गिरावट हुई है । नाइके और एडिडास द्वारा विश्व स्तर पर बेचे जाने वाले प्रत्येक तीन जोड़ी जूतों में से लगभग एक और उनके कपड़ों का क्रमश: 26% और 17% वियतनाम में निर्मित होता है। हालांकि मई 2022 तक अपडेट की गई अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, नाइकी ने वियतनाम में अपने मुख्य विनिर्माण केंद्र के बावजूद परिधान और जूते के अपने उत्पादन में काफी कमी की है। इसने यूएफएलपीए के बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया। एडिडास ने यूएफएलपीए पर भी कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन कहा कि इसके वियतनामी आपूर्तिकर्ताओं को छोटा करना स्थानीय कानून का सम्मान करेगा।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

व्यापारियों का अनुमान, आने वाले कुछ सप्ताह में मंडियों में रहेंगी कपास की बूम

महाराष्ट्र में व्यापारियों का अनुमान है कि अगले दो से तीन सप्ताह में किसान भारी मात्रा में कपास लाएंगे। किसानों के कपास खत्म होने के संकेत अब मिलने लगे हैं। जो किसान कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन ज्यादा इंतजार नहीं कर सकते, वे कपास बेच रहे हैं। अमरावती बाजार समिति में भाव 8050 से 8100 रुपये प्रति क्विंटल है।

कपास एमएसपी का लाभ उठाने के लिए आधार प्रमाणीकरण आवश्यक

केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार भारतीय कपास निगम को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कपास बेचने वाले किसानों को विशिष्ट पहचान, आधार जमा करने की आवश्यकता है। तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों ने धान के लिए एमएसपी या प्रोत्साहन का लाभ उठाने के लिए किसानों द्वारा आधार प्रस्तुत करने को पहले ही लागू कर दिया है।

महंगा कपास भारतीय कपड़ा उद्योग को एमएमएफ में कर रहा स्थानांतरित

गुजरात, भारत में कपड़ा उद्योग कपास की उच्च लागत के कारण विस्कोस और पॉलिएस्टर जैसे सस्ते रेशों की ओर बढ़ रहा है।कपास की बढ़ती लागत के कारण सूती धागे, कपड़े और परिधानों के भारतीय निर्यात को विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। अक्टूबर 2022 में मौजूदा कपास विपणन सीजन की शुरुआत के बाद से प्राकृतिक फाइबर की कीमत आईसीई कपास की तुलना में अधिक रही है।

पाकिस्तान में अच्छी गुणवत्ता वाले कपास के बीज पर शोध

पाकिस्तान में कृषि विशेषज्ञों ने सिंध में प्रमाणित कपास के बीजों की कमी और निजी कंपनियों द्वारा घटिया बीजों की बिक्री को कपास की फसल से संबंधित नुकसान के मुख्य कारणों के रूप में पहचाना है और अच्छी गुणवत्ता वाले कपास के बीजों के उत्पादन के लिए संस्थानों के बीच सहयोग को अपरिहार्य बताया है।

2022-23 में तुर्की की अर्थव्यवस्था में कपास की स्थिति हुई मजबूत

तुर्की की अर्थव्यवस्था में घरेलू वस्त्र उद्योग का योगदान तेजी से बढ़ा है।2022 नेशनल कॉटन काउंसिल कॉटन सेक्टर रिपोर्ट' के अनुसार, केवल मुख्य उत्पाद 'फाइबर कॉटन' से 2021 में 864 मिलियन डॉलर के घरेलू कपास कच्चे माल को कपड़ा और परिधान में संसाधित किया गया।

कॉटन फिजिकल मार्केट में गिरावट बरकरार

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए गिरावट वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में गिरावट देखी गई। नार्थ झोन में पंजाब में 25, हरियाणा में 50 और अपर राजस्थान में 75 रूपए प्रति मंड तक दाम घटे है।

सेंट्रल झोन में गुजरात में सबसे ज्यादा 700 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली। जबकि मध्यप्रदेश में 200 और महाराष्ट्र में 300 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम घटे है।

साउथ झोन में भी गिरावट का रूख जारी रहा। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 1000 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट आई है जबकि तेलंगाना में 500 और उड़िसा में 300 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम गिरे है। वहीं आंध्रप्रदेश में सप्ताहअंत में भी कॉटन के दाम वहीं रहे जो सप्ताह की शुरूआत में रहे थे।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77771 - 5

DATE: 29.04.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	24.04.23		29.04.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,300	6,350	6,250	6,325	-25
HARYANA	27.5/28	6,250	6,350	6,200	6,300	-50
UPER RAJASTHAN	28	6,475	6,575	6,400	6,500	-75
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,000	62,300	61,400	61,600	-700
MADHYA PRADESH	29	61,300	61,500	61,000	61,300	-200
MAHARASHTRA	29 vid.	61,000	61,500	60,700	61,200	-300
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	63,300	63,400	63,000	63,100	-300
KARNATAKA	29.5/30 mm	61,000	62,000	61,000	61,000	-1,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,500	63,000	62,500	63,000	0
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	62,000	62,500	61,500	62,000	-500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 29 April 2023 | Volume - 43

Vietnam apparel industry worst hit by US sanctions

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 59945
SILVER : 75500
CRUD OIL : 6295

Yusuf Makhani,
(cotton gin,
Vidarbha, Maharashtra)

Last year, farmers got Rs 12 to 13 thousand per quintal for cotton, whereas, this year the price of cotton has remained around Rs 8 thousand per quintal. This season too, the farmers had full expectation of getting higher price, due to which they started storing cotton, as a result, the arrival in the mandis remained slow from the beginning. Because of this, the generators were forced to work in disparity. Now that arrivals are increasing in the mandis, the disparity is also slowly ending. Although it will take time for the traders to come out from the losses of the last four months, but if the arrival improves and the demand also increases, then the business is sure to pick up. This was said by Yusuf Makhani, a well-known Jinar of Vidarbha Maharashtra.

DISPARITY IS SLOWLY ENDING DUE TO INCREASE IN ARRIVALS

Yusuf, associated with the cotton industry for the last 12 years, is currently running three ginning units in Vidarbha. Brother Aamir Makhani and son Altaf Makhani are also with him in this business.

FUTURE IS BETTER IN MAHARASHTRA

Regarding the cotton business in Maharashtra, he believes that the future of cotton here is very good. He points out that farmers in Maharashtra, especially in Vidarbha, do not have much of a choice, either relying on cotton or soyabean. For the last 4 years, soybean crop has failed miserably in Nagpur district. That's why somewhere the interest of farmers has increased in cotton. Last year also, due to unseasonal rains, the yield here was affected, otherwise the way sowing was done here, the yield would have been 25 to 30 percent more than normal. And the same is expected from the coming season as well.

10% COTTON CARRY FORWARD LIKELY

Under normal circumstances, the cotton season is over by now, but this time, seeing the way the farmers had earlier stored cotton and have now started bringing it to the cotton market, it seems that the season will continue till the month of June. In our area, till now 40-50 percent of the goods are kept with the farmers, in other states also farmers have stored them. There has definitely been a spurt in arrivals, but some competent big farmers are still not ready to sell the goods. If this situation continues, there is a possibility of carrying forward up to 10 percent cotton for the next year.

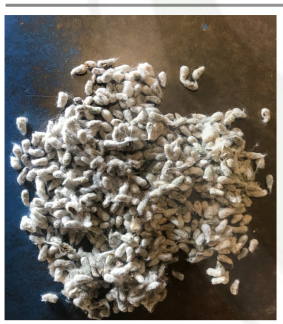

Appeal of Maharashtra Agriculture Department: Farmers should not buy and plant HTBT cotton seeds

The Agriculture Department and the Police Department are keeping a close watch on the sellers of HTBT seeds. Bogus companies, unlicensed unauthorized HTBT cotton seeds are likely to be surreptitiously supplied to the market. Some people refer to such unauthorized seeds as herbicides Bt, R-RBT and BTBG-3. These illegal seeds are not recognized by the government. Farmers should not get misled by such unauthorized companies.

This appeal has been made by Ravi Shankar Chalwade, Superintendent Agriculture Officer of Nanded district. He said that HTBT seeds should not be bought and those seeds should not be planted in the fields. It is an offense to sell, possess and store illegal seeds. Technical analysis of HTBT gene will be done on leaf samples of cotton plants planted with such unauthorized seed cotton. If HTBT gene is found after sample test, action can be taken against the concerned. The Agriculture Department and the Police Department are keeping an eye on those selling HTBT seeds. Therefore, instructions have been given by the Agriculture Department not to try to sell these seeds.

Threat to the health of farmers and agricultural laborers

Farmers should not fall for the greed and allurement of fake companies, private agents, private individuals for sale of unauthorized seeds. Glyphosate herbicide has carcinogenic properties and its excessive use can cause diseases like cancer to human health. Excessive use of glyphosate herbicide ends the fertility of the land and no crop can be grown in that land in future. As a result, the land will become barren and the health of all the farmers and agricultural laborers will be in danger. Also, the central government has recommended the use of glyphosate herbicide on non-crop land and tea gardens.

Notified seeds should be purchased from an authorized dealer with receipt

Glyphosate is an herbicide that cannot be used on other crops. To prevent the cultivation of unapproved HTBT cotton and prevent damage from excessive use of glyphosate, which has carcinogenic properties, only authorized Bt cotton seeds should be purchased from authorized seed sales license holders and by an authorized company Must be produced that guarantees quality and quality. To avoid fraud, farmers should purchase notified seeds from authorized dealers against receipt. The District Agriculture Superintendent has informed through a press release that if fake companies, private agents are motivating to buy unauthorized Bt seeds, then the information should be given to Taluka Agriculture Officer, District Superintendent Agriculture Officer, Zilla Parishad Agriculture Department.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

It was a mixed week for stock market investors

News based on share value of major textile companies from 24 to 29 April 2023

This week was volatile for the textile segment in the stock market. Meanwhile, the market cap of shares of some companies increased while the market cap of some fell down as compared to the previous week. Let us know how the major companies performed on the platform of BSE-

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE IN %
VARDHAMAN TEXTILE LIMITED	318.05	324.80	303.6	-0.61%
ARVIND LIMITED	108.09	110.63	95.75	12.89%
WELSPUN INDIA	87.64	89.95	82.9	4.82%
NITIN SPINNERS	245.25	254.45	234.05	-3.58%
RAYMOND	1590.8	1755.35	1496.4	6.31%
AXITA COTTON	65.04	83	65.04	-12.70%

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 29.04.2023

ICE COTTON			
MONTH	21.04.23	28.04.23	WEEKLY CHANGE
MAY	78.41	79.03	0.62
JULY	80.15	80.8	0.65
DEC	80.38	81.1	0.72
MCX (BALES) CANDY			
APRIL	62220	61000	-1220
JUNE	64000	62820	-1180
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1571	1542	-29
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAY	2728	2822	94
JUN	2758	2857	99
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.09	81.82	-0.27
PAK (Pakistani Rupee)	283.487	283.696	0.209
CNY (Chinese yuan)	6.89357	6.91336	0.01979
BRAZIL (Real)	5.0494	4.98695	-0.06245
AUSTRALIAN Dollar	1.49419	1.51173	0.01754
MALAYSIAN RINGGITS	4.43794	4.46048	0.02254
COTLOOK "A" INDEX	93.3	93.15	-0.15
BRAZIL COTTON INDEX	82.53	79.51	-3.02
USDA SPOT RATE	77.44	78.09	0.65
MCX SPOT RATE	62360	61780	-580
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	20000	0
GOLD ($)	1993.10	1999.4	6.3
SILVER ($)	22.155	25.33	3.175
CRUDE ($)	77.82	76.63	-1.19

After two weeks of decline, cotton prices made a slight gain in the international market this week. Cotton prices for the months of May, July and December on the International Cotton Exchange have increased by 0.62, 0.65 and 0.72 cents.

However, the trend of decline in the price of cotton on the Multi Commodity Exchange in the Indian market continued this week as well. The bargain price for the month of April has declined to Rs.1220 per candy and for the month of June to Rs.1180 per candy.

Cotton prices also declined by Rs 29 per 20 kg on NCDX this time, while Khal prices increased by Rs 94 and Rs 99 per quintal for the month of May and June respectively.

If you look at the exchange market of other countries, a decline of 0.15 points has been recorded on the Cotlook A index, a decline of 3.02 points on the Brazil Cotton Index and a decline of 580 points on the MCX spot rate. In contrast, an increase of 0.65 has been seen on the USDA spot rate. No difference was seen on the KCA spot rate of Pakistan at the end of the week.

Vietnam apparel industry worst hit by US sanctions

Tighter US rules banning imports from China's Xinjiang are increasing pressure on Vietnam's apparel and footwear makers, which have lost nearly 90,000 jobs since October due to a slump in demand in the global manufacturing hub.

Among apparel exporters, Vietnam has been among the worst hit by the Forced Labor Protection Act (UFLPA), a review of official US data showed. The law, in effect since June, requires companies to prove they are from Xinjiang. Do not use raw materials or components produced by forced labor.

Many US importers are still optimistic, but their supply chains could still be disrupted as Vietnam's apparel makers rely on China for nearly half of their input materials. In total, customs checked nearly 3,600 shipments worth more than $1 billion from multiple countries to find they did not carry goods with inputs from forced labor in Xinjiang, the U.S. Customs data shown.

According to the US Department of Commerce, this will affect US consumers, as Vietnam is their main source of cotton apparel. "Vietnam's heavy reliance on cotton textile material from China poses a significant risk to Xinjiang cotton, as the province produces more than 90% of China's cotton," said Sheng Lu, director of the Department of Fashion and Apparel Studies at the University of Delaware.

He added that it is unlikely that Vietnam can substantially reduce this dependence, as many manufacturers there are owned by Chinese investors. A government official confirmed that some Vietnamese suppliers may find it difficult to comply with the new rules, either because they import cotton from Xinjiang or because they are unable to prove that they do not.

In a survey last year, nearly 60% of US fashion industry managers said they were looking to countries outside Asia for their supplies as a response to forced labor legislation. Sheng Lu said it would be difficult for US firms to find alternative suppliers faster, so more scrutiny on Vietnamese cargoes could be expected. Western companies should "make a more significant effort to map their supply chains, trace where production occurs and perform due diligence at each stage".

The country's exports fell by 11.9% and production by 2.3% in the first quarter. Nearly one out of every three pairs of shoes sold globally by Nike and Adidas and 26% and 17% of their clothing, respectively, are manufactured in Vietnam. However, according to its latest annual report updated to May 2022, Nike has significantly reduced its production of apparel and footwear, despite its main manufacturing center in Vietnam. It did not answer questions about the UFLPA. Adidas also did not comment on the UFLPA, but said shortlisting its Vietnamese suppliers would respect local law.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Traders estimate, there will be cotton boom in the mandis in the coming few weeks

Traders in Maharashtra estimate that farmers will bring cotton in bulk in the next two to three weeks. The signs of farmers running out of cotton are now visible. Farmers who are expecting a rise in prices but cannot wait much longer are selling cotton. The price in Amravati market committee is Rs 8050 to 8100 per quintal.

Aadhaar authentication required to avail cotton MSP

As per the notification issued by the Central Government, the Cotton Corporation of India requires farmers selling cotton at the Minimum Support Price (MSP) to submit unique identification, Aadhaar. Some states like Tamil Nadu have already implemented Aadhaar submission by farmers to avail MSP or incentives for paddy.

Expensive cotton shifting Indian textile industry to MMF

The textile industry in Gujarat, India, is moving towards cheaper fibers such as viscose and polyester due to the high cost of cotton. Indian exports of cotton yarn, fabric and apparel are facing headwinds due to rising cotton costs. The natural fiber has been priced higher than ICE cotton since the start of the current cotton marketing season in October 2022.

Research on good quality cotton seed in Pakistan

Agriculture experts in Pakistan have identified the shortage of certified cotton seeds in Sindh and the sale of substandard seeds by private companies as the main reasons for losses related to the cotton crop, and have called for a dialogue between institutions to produce good quality cotton seeds. Cooperation is said to be indispensable.

Cotton's position in Türkiye's economy strengthened in 2022-23

The contribution of the domestic textile industry to Turkey's economy has grown rapidly. According to the '2022 National Cotton Council Cotton Sector Report', only the main product 'fiber cotton' will process domestic cotton raw materials worth $864 million into textiles and apparel in 2021.

Cotton physical market continues to decline

This week turned out to be a bearish one for the cotton physical market. Cotton prices declined in all the three zones North, Central and South. In the North Zone, the prices have decreased by Rs 25 per mand in Punjab, Rs 50 in Haryana and Rs 75 in Upper Rajasthan.

In the central zone, Gujarat witnessed the maximum fall of Rs 700 per candy. While the price of cotton has decreased by Rs. 200 per candy in Madhya Pradesh and Rs. 300 in Maharashtra.

The declining trend continued in South Zone as well. Karnataka has seen the maximum fall of up to Rs 1000 per candy while cotton prices have fallen by Rs 500 in Telangana and Rs 300 per candy in Odisha. On the other hand, in Andhra Pradesh, cotton prices remained the same at the end of the week as they were at the beginning of the week.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77771 - 5

DATE: 29.04.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	24.04.23		29.04.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,300	6,350	6,250	6,325	-25
HARYANA	27.5/28	6,250	6,350	6,200	6,300	-50
UPER RAJASTHAN	28	6,475	6,575	6,400	6,500	-75
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,000	62,300	61,400	61,600	-700
MADHYA PRADESH	29	61,300	61,500	61,000	61,300	-200
MAHARASHTRA	29 vid.	61,000	61,500	60,700	61,200	-300
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	63,300	63,400	63,000	63,100	-300
KARNATAKA	29.5/30 mm	61,000	62,000	61,000	61,000	-1,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,500	63,000	62,500	63,000	0
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	62,000	62,500	61,500	62,000	-500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						